भारतीय शेर घर में हुए ढेर

द. अफ्रीका ने पहले टेस्ट में 30 रन से हराया, भारत 93 पर ढहा

कोलकाता, 16 नवंबर। दक्षिण अफ्रीका ने पहले टेस्ट मैच में अद्भुत संयम, अनुशासन और तेज-धीमी गेंदबाजी के शानदार मिश्रण के दम पर विश्व चैंपियनशिप विजेता भारत को तीसरे ही दिन 30 रनों से हराकर सीरीज़ में जोरदार बढ़त बना ली।

मुश्किल पिच पर 124 रनों का

124 का आसान लक्ष्य भी मुश्किल बना

भारतीय बल्लेबाज दक्षिण अफ्रीकी स्पिन-सीम से बेहाल

बावुमा की जुझारू पारी ने मैच पलटा

मामूली लक्ष्य भी भारतीय बल्लेबाजों के लिए पहाड़ बन गया, जहां मार्को यानसन, साइमन हार्मर और केशव महाराज की सटीक गेंदबाजी के आगे पूरी टीम 93 रनों पर सिमट गई। मैच का निर्णायक मोड़ भारतीय बल्लेबाजों का शुरुआती ढहना रहा। 124 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने भोजनकाल से पहले ही अपने दो प्रमुख बल्लेबाज—यशस्वी जयसवाल और केएल राहुल—सस्ते में गंवा दिए। पहले ही ओवर में मार्को यानसन ने जयसवाल को विकेटकीपर काइल वेरेन के हाथों कैच आउट कराया। तीसरे ओवर में राहुल को भी उसी तरह आउट कराकर दक्षिण अफ्रीका को सपने जैसा शुरुआती चरण दे दिया। भोजनकाल तक भारत का स्कोर मात्र दो विकेट पर 10 रन था और टीम दबाव में दिख रही थी। खेल के आगे बढ़ने के साथ भारतीय बल्लेबाजों पर तनाव और बढ़ता गया। 15वें ओवर में ध्रुव जुरेल (13) साइमन हार्मर के शिकार बने। इसके बाद तो भारतीय पारी 'तू चल मैं आया' की स्थिति में तब्दील हो गई। हार्मर ने ऋषभ पंत (2) और रवींद्र जडेजा (18) को भी आउट किया और मिडिल ऑर्डर पर भारी प्रहार किया। भारतीय पारी के बिखरने में सबसे बड़ा झटका 31वें ओवर में लगा, जब एडन मार्करम ने वॉशिंगटन सुंदर (31) को आउट कर दिया। सुंदर ही एकमात्र बल्लेबाज नजर आए जिन्होंने कुछ समय क्रीज पर टिककर चुनौती देने की कोशिश की। किंतु उनकी विदाई के साथ ही भारत की जीत की उम्मीद लगभग खत्म हो गई। 35वें ओवर में केशव महाराज ने लगातार दो महत्वपूर्ण विकेट लेकर भारत की पारी का अंत कर दिया। पहले उन्होंने अक्षर पटेल (26) को आउट किया, जिन्हें पहले ओवर में एक चौका और दो छक्के मारने के बाद महाराज ने शानदार गेंद पर शिकार बनाया। उसी ओवर की आखिरी गेंद पर उन्होंने मोहम्मद सिराज को आउट कर भारतीय पारी को 93 पर समेट दिया। भारत की हार की बड़ी वजह पहली पारी में मिली बढ़त का सही इस्तेमाल ना कर पाना और दूसरी पारी में गेंदबाजों द्वारा सुबह के सत्र में दक्षिण अफ्रीका को अतिरिक्त रन बनने देना रहा। इससे पहले सुबह मोहम्मद सिराज (दो रन देकर दो विकेट) और जसप्रीत बुमराह (एक विकेट) ने जोरदार शुरुआत की थी। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी सात विकेट पर 93 रन से आगे बढ़ाई, और कप्तान टेम्बा बावुमा ने कठिन परिस्थितियों में संघर्षपूर्ण 55 रनों की नाबाद पारी खेली। कॉर्बिन बॉश (29) ने भी बावुमा के साथ महत्वपूर्ण साझेदारी निभाई, जिसे बुमराह ने तोड़ा। इसके बाद 54वें ओवर में सिराज ने पहले हार्मर (7) को बोल्ड किया और ओवर की आखिरी गेंद पर केशव महाराज को पगबाधा आउट कर दक्षिण अफ्रीका की पारी 153 पर समाप्त की। पहली पारी की 30 रनों की बढ़त भारत के लिए अनमोल साबित हो सकती थी, लेकिन बल्लेबाजों ने इस लाभ को व्यर्थ जाने दिया। भारतीय कप्तान शुभमन गिल की गैरहाज़िरी भी टीम पर भारी पड़ी। उन्हें गर्दन में ऐंठन के कारण अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा और वे बल्लेबाजी करने नहीं आ सके। भारतीय पारी का ढहना किसी बड़ी रणनीतिक गलती से कम नहीं था, क्योंकि लक्ष्य छोटा था और पिच कठिन होते हुए भी असंभव नहीं थी। दक्षिण अफ्रीका की जीत में टेम्बा बावुमा का धैर्यपूर्ण अर्धशतक और गेंदबाजी आक्रमण की अनुशासित योजना मुख्य भूमिका में रही।

मैं स्टैट्समैन नहीं हूं, विनमैन हूं : हार्मर

दक्षिण अफ्रीका की भारत पर पहले टेस्ट में तीसरे ही दिन रविवार को 30 रन की जीत में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर ने खुद को स्टैट्समैन नहीं विनमैन बताया। दोनों पारियों में चार-चार सहित कुल आठ विकेट लेने वाले हार्मर अपनी शानदार गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच बने। प्रेजेंटेशन में हार्मर ने कहा, ''टीम के लिए योगदान देकर अच्छा लग रहा है। जिस तरह से टीम ने प्रदर्शन किया वो यह दर्शाता है कि टीम को अपने ऊपर कितना विश्वास है। मैं स्टैट्समैन नहीं हूं, विनमैन हूं। टीम के लिए योगदान देकर अच्छा लग रहा है।'' हार्मर ने कहा, ''जब हम बल्लेबाजी कर रहे थे तो हमें पता था कि हम मैच में वापस आने से एक साझेदारी दूर हैं और गेंदबाजी के दौरान भी हम यही सोच रहे थे कि एक अच्छी साझेदारी मैच को हमसे दूर ले जा सकती है।

जीत का स्कोर नहीं था

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने ईडन गार्डन्स में भारत पर अपनी टीम की रोमांचक पहली टेस्ट जीत की कुंजी के रूप में दृढ़ता और विश्वास के महत्व को रेखांकित किया और बताया कि कैसे दृढ़ संकल्प ने एक मामूली स्कोर को विजयी प्रदर्शन में बदल दिया। मैच के बारे में बात करते हुए, बावुमा ने कहा, 'ऐसा हर बार नहीं होता कि आप 120-125 का स्कोर बनाते हैं और आपको लगता है कि यह जीत का स्कोर है। यह बस खेल में बने रहने और विश्वास बनाए रखने का मामला था।' उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि चुनौतीपूर्ण बल्लेबाजी परिस्थितियों के बावजूद, टीम ने संयम बनाए रखने और सामने आए मौकों का फायदा उठाने पर ध्यान केंद्रित किया।

धनुष ने तोड़ा रिकार्ड, जीता स्वर्ण

10 मीटर एयर राइफल में नया विश्व बधिर रिकॉर्ड

टोक्यो, 16 नवंबर। भारत के युवा स्टार निशानेबाज़ धनुष श्रीकांत ने 25वें ग्रीष्मकालीन डेफलिंपिक्स में इतिहास रचते हुए 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में विश्व बधिर रिकॉर्ड तोड़कर स्वर्ण पदक जीता।

मुर्तजा ने शानदार प्रदर्शन कर जीता रजत

महिलाओं ने रजत-कांस्य से दोहरा पोडियम बनाया

क्वालीफिकेशन में भी दो रिकॉर्ड ध्वस्त

यह न केवल भारत का इस संस्करण का पहला स्वर्ण है, बल्कि डेफलिंपिक्स में भारत की निशानेबाज़ी का अब तक का सबसे दमदार शुरुआती प्रदर्शन भी माना जा रहा है। धनुष ने फ़ाइनल में अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ते हुए शानदार 252.2 अंक बनाए, जो उनके पिछले 251.7 अंकों के रिकॉर्ड से अधिक है। फाइनल में उनके मजबूत प्रतिद्वंद्वी और भारतीय साथी मोहम्मद मुर्तज़ा वानिया ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 250.1 अंकों के साथ रजत पदक अपने नाम किया। इस तरह पुरुष वर्ग में भारत ने स्वर्ण और रजत—दोनों शीर्ष स्थान हासिल किए और शुरुआती दिन ही प्रतियोगिता पर अपनी पकड़ मज़बूत की। महिलाओं ने भी इस सफलता को आगे बढ़ाया और शानदार प्रदर्शन करते हुए दो पदक जीते। महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में भारत की माहित संधू ने 250.5 अंकों के साथ रजत पदक हासिल किया। वे यूक्रेन की वायलेट्टा लाइकोवा से मात्र 1.9 अंक से पीछे रहीं, जिन्होंने 252.4 अंकों के साथ स्वर्ण जीता। भारत की कोमल मिलिंद वाघमारे ने 228.3 अंकों के साथ कांस्य पदक हासिल किया और भारतीय महिला निशानेबाजों के लिए दोहरा पोडियम फ़िनिश सुनिश्चित किया।

ऋतुराज होंगे सीएसके के कप्तान

चेन्नई, 16 नवंबर चेन्नई सुपर किंग्स ने अपने एक्स पोस्ट से साफ कर दिया कि आईपीएल 2026 में टीम की कप्तानी ऋतुराज गायकवाड़ ही करेंगे।

फ्रेंचाइजी ने औपचारिक ऐलान नहीं किया, लेकिन पोस्ट में जिस तरह तस्वीर और संदेश दिया था, उससे यह बिल्कुल स्पष्ट था कि कप्तानी फिर से गायकवाड़ के पास ही रहेगी।

पिछला सीजन गायकवाड़ के लिए मुश्किल भरा था। उन्होंने आईपीएल 2025 के शुरुआती पांच मैचों में टीम की कप्तानी की थी। इन मुकाबलों में चेन्नई को

सिर्फ एक जीत मिली थी और चार मैचों में हार झेलनी पड़ी थी। इन्हीं पांच मैचों में गायकवाड़ ने 122 रन बनाए थे। राजस्थान के ख़िलाफ उन्हें कोहनी पर चोट लगी और उसके बाद वह पूरे सीजन से बाहर हो गए।

रिटेन किए गए खिलाड़ी

एम एस धोनी, ऋतुराज गायकवाड़, संजू सैमसन (आरआर से ट्रेड), आयुष म्हात्रे, डेवॉल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, उर्विल पटेल, नूर अहमद, नाथन एलिस, श्रेयस गोपाल, खलील अहमद, रामकृष्ण घोष, मुकेश चौधरी, जेमी ओवरटन, गुरजपनीत सिंह, अंशुल कम्बोज

महिला कबड्डी विश्वकप का खिताब डिफेंड करने उतरेगा भारत

ढाका, 16 नवंबर भारत महिला कबड्डी विश्व कप 2025 में डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में उतरेगा। यह टूर्नामेंट सोमवार से बांग्लादेश के ढाका में शुरू हो रहा है।

पहली बार भारत से बाहर हो रहा आयोजन

सभी मुकाबले 17 से 24 नवंबर के बीच मीरपुर स्थित शहीद सुहरावर्दी इंडोर स्टेडियम में खेले जाएंगे। भारत में महिला कबड्डी विश्व कप 2025 की लाइव स्ट्रीमिंग भी उपलब्ध रहेगी। यह टूर्नामेंट 13 साल बाद वापसी कर रहा है और यह कुल मिलाकर दूसरा महिला कबड्डी विश्व कप है। पहले संस्करण में भारत की महिला टीम ने पटना, बिहार में खेले गए फाइनल में ईरान को हराकर खिताब जीता था। उस समय 16 टीमों ने खिताब के लिए मुकाबला किया था। 2025 संस्करण को पहले जून में बिहार में आयोजित होना था, फिर इसे अगस्त के लिए हैदराबाद शिफ्ट किया गया, लेकिन कई बार स्थगित होने के बाद आखिरकार इसे बांग्लादेश में आयोजित करने का फैसला लिया गया। यह टूर्नामेंट इतिहास में पहली बार भारत के बाहर आयोजित हो रहा है। इससे पहले सभी तीन पुरुष कबड्डी विश्व कप भी भारत में ही खेले गए थे। कुल 11 टीमें महिला कबड्डी विश्व कप 2025 में खिताब की दौड़ में उतरेंगी। भारत, बंगलादेश, चीनी ताइपे, जर्मनी, ईरान, केन्या, नेपाल, पोलैंड, थाईलैंड, युगांडा और ज़ांज़ीबार। अर्जेंटीना भी हिस्सा लेने वाली थी, लेकिन उसने अपना नाम वापस ले लिया। टीमों को दो ग्रुपों में बांटा गया है, जहां एक में छह और दूसरे में पांच टीमें हैं।

भारत और ईरान कबड्डी की दिग्गज टीमें मानी जाती हैं, लेकिन चीनी ताइपे ने 2023 एशियन गेम्स में सबको चौंकाया था। समूह चरण में उन्होंने भारत को ड्रॉ पर रोका और फाइनल में सिर्फ एक अंक से हार माननी पड़ी थी। भारत ने महिला कबड्डी विश्व कप 2025 के लिए 14 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। ऋतु नेगी, जो हांगझोऊ में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम की कप्तान थीं, एक बार फिर टीम की कप्तानी करेंगी। पुष्पा राणा को उप-कप्तान बनाया गया है। सोनाली शिंगाड़े, जिन्होंने इस साल भारतीय टीम को एशियन चैम्पियनशिप खिताब दिलाया था, वे भी टीम का हिस्सा हैं। भारतीय टीम की कोचिंग तेजस्विनी बाई और कविता सेल्वराज करेंगी।

वूमेंस कबड्डी विश्वकप 2025 टीम

- ग्रुप ए : भारत, बंगलादेश, थाईलैंड, युगांडा, जर्मनी
- ग्रुप बी : चीनी ताइपे, ईरान, पोलैंड, केन्या, नेपाल, ज़ांज़ीबार
- हर ग्रुप की टॉप दो टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी। फाइनल 24 नवंबर को खेला जाएगा।

भारत ए टीम की रोमांचक जीत

राजकोट 16 नवंबर. निशांत सिंधु (चार विकेट) और हर्षित राणा (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद ऋतुराज गायकवाड़ (नाबाद 68) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत भारत ए ने रविवार को दूसरे अनौपचारिक एकदिवसीय मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ए को नौ विकेट से करारी शिकस्त दी।

दक्षिण अफ्रीका-ए टीम को नौ विकेट से किया पराजित

132 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत ए के लिए ऋतुराज गायकवाड़ और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 53 रन जोड़कर अच्छी शुरुआत दिलाई। भारत ए का पहला विकेट नौवें ओवर की पहली गेंद पर अभिषेक शर्मा के रूप में गिरा। अभिषेक शर्मा ने 22 गेंदों में छह चौके लगाते हुए 32 रनों की पारी खेली। उन्हें लुथो सिपामला ने आउट किया। भारत ए ने 27.5 ओवर में एक विकेट पर 135 रन बनाकर मुकाबला नौ विकेट से जीत लिया। तिलक वर्मा 62 गेंदों में 29 रन बनाकर नाबाद रहे। ऋतुराज गायकवाड़ ने 83 गेंदों में नौ चौको की मदद से 68 रनों की नाबाद मैच विजयी पारी खेली। इससे पहले आज यहां दक्षिण अफ्रीका ए ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। सलामी बल्लेबाज लुआन-द्रे प्रेटोरियस और रिवाल्डो मूनसामी की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 39 रन जोड़े।

एक नजर में

थाईलैंड ने मैत्री मुकाबले में भारत को 4-0 से हराया

बैंकॉक. थाईलैंड के खिलाफ भारत की अंडर-23 राष्ट्रीय टीम को फुटबॉल के मैत्री मुकाबले में 0-4 से हार का सामना करना पड़ा। पथुम थानी के थम्मासैट स्टेडियम में शनिवार रात खेले गए इस मुकाबले में थाईलैंड ने आक्रामक शुरुआत की इस दौरान भारतीय टीम ने भी कई बार जवाबी हमले किये। सिराफोप वांडी ने (32वें मिनट) में गोलकर थाईलैंड को बढ़त दिलाई। भारत के पास 40वें मिनट में बराबरी करने का सुनहरा मौका था जब ऐमेन बाईं ओर से अपने मार्करों को चकमा देते हुए गोल लाइन तक पहुंच गए और विनीत वेंकटेश के लिए गेंद को वापस कट किया। विनीत पास को नियंत्रित नहीं कर पाए और गोल करने से चूक गये। इसके बाद फोन-एक मनीकोर्न ने (42वें मिनट) ने पेनल्टी को गोल में बदलकर हाफ-टाइम तक बढ़त को दोगुना कर दिया। हॉफ टाइम के बाद चैयाफोन ओटन ने (47वें मिनट) ने तीसरा, जबकि थानाकृत चोटमुआंगपाक (62वें मिनट) ने चौथा गोल किया।

स्पेन ने 2026 विश्वकप में अपनी जगह पक्की की

बर्लिन. शनिवार को विश्व कप क्वालीफायर के नौवें दौर में मिकेल ओयारज़ाबल के शानदार प्रदर्शन की बदौलत जॉर्जिया पर 4-0 की जीत के साथ स्पेन 2026 विश्व कप में अपनी जगह पक्की करने की कगार पर पहुंच गया है। लुइस डे ला फुएंते की टीम ने त्बिलिसी में शुरुआती मिनटों से ही अपनी लय बनाए रखी, ज़ोरदार दबाव बनाया और मेजबान टीम को परेशान किया। उनके शुरुआती दबदबे का फ़ायदा तब हुआ जब फेरान टोरेस का क्रॉस जॉर्जियाई डिफेंडर के हाथ पर लगा, जिससे ओयारज़ाबल ने एक आसान पेनल्टी को गोल में बदल दिया। यूरोपीय चैंपियन ने इसके तुरंत बाद अपनी बढ़त दोगुनी कर दी, जब मार्टिन ज़ुबिमेंडी ने एक सटीक थ्रू बॉल के जरिए जियोर्जी मामारदाशविली को एक शानदार गोल से हराया, जिसने डिफेंस को भेद दिया। जॉर्जिया ने कुछ समय के लिए गेंद पर कब्ज़ा जमाकर बढ़त बनाई, लेकिन स्पेन का तेज आक्रमण निर्णायक रहा। ओयारज़ाबल ने प्लेमेकर की भूमिका निभाई और एक नीचा पास दिया जिसे टोरेस ने नजदीक से गोल में बदलकर हाफ़टाइम से पहले स्कोर 3-0 कर दिया। हाफ़टाइम के बाद भी स्पेन ने गति बनाए रखी, आत्मविश्वास से गेंद को गोल में घुमाया और जॉर्जिया को लाइन के बीच जगह नहीं बनाने दी। ओयारज़ाबल ने हाफटाइम के बीच में टोरेस के क्रॉस पर एक मजबूत हेडर के साथ रात का अपना दूसरा गोल किया, दो गोल और एक असिस्ट के साथ, इससे पहले कि उन्हें बाहर कर दिया गया, बाहर बैठे प्रशंसकों की गर्मजोशी भरी तालियों के बीच उन्हें मैदान से बाहर कर दिया गया। एक प्रभावशाली गोल अंतर और अपनी अपराजेयता के साथ, स्पेन अगले हफ़्ते होने वाले ग्रुप निर्णायक मैच में क्वालीफ़ाई लगभग सुनिश्चित कर लेगा। जॉर्जिया, जो पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुका है, अपना अभियान बुल्गारिया में समाप्त करेगा।

न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को सात रन से हराया

क्राइस्टचर्च, 16 नवंबर डैरिल मिशेल (119) और डेवन कॉन्वे (49) की शानदार बल्लेबाजी के बाद काइल जेमीसन (तीन विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड ने पहले एकदिवसीय मैच में वेस्टइंडीज को रोमांचक मुकाबले में सात रनों से हराया।

डैरिल मिशेल ने खेली 119 रन की शतकीय पारी

इसी के साथ न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। 270 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज के खिलाफ काइल जेमीसन ने जॉन कैंपबेल (चार) को आउटकर न्यूजीलैंड को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद केसी कार्टी और ऐलेक ऐथनेज की जोड़ी ने पारी को संभाला और दूसरे विकेट के लिए 60 रन जोड़े। 21वें ओवर में मिचेल सैंटनर ने ऐलेक ऐथनेज (29) को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे वेस्टइंडीज के बल्लेबाज नहीं खेल पाये। केसी कार्टी (32), कप्तान शाई होप (37), रॉस्टन चेज (16) रन बनाकर आउट हुये। शरफेन रदरफोर्ड ने वेस्टइंडीज के लिए 61 गेंदों में तीन चौकों और तीन छक्कों की मदद से सर्वाधिक 55 रनों की पारी खेली। रोमारियो शेफर्ड और जस्टिन ग्रीव्स आखिरी ओवरों में आक्रामक बल्लेबाजी के बावजूद वेस्टइंडीज को जीत नहीं दिला पाये।

विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल 2025

भारत के 4 पदक पक्के

ग्रेटर नोएडा, 16 नवंबर विश्व चैंपियन मीनाक्षी, प्रीति, अंकुश फंगल और नरेंद्र बेरवाल ने भारत को विश्व मुक्केबाजी कप फ़ाइनल 2025 के पहले दिन शानदार शुरुआत दिलाई, जहां चारों ने प्रभावशाली जीत के साथ पदक पक्के किए।

टूर्नामेंट में प्रत्येक वर्ग में दुनिया के केवल आठ शीर्ष मुक्केबाज़ों ने हिस्सा लिया, लेकिन भारतीय चौकड़ी ने पहले दौर में ही शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफ़ाइनल में प्रवेश कर लिया और शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में पोडियम फ़िनिश सुनिश्चित कर ली। विश्व स्तरीय दावेदारों के लिए विशेष रूप से आरक्षित इस क्षेत्र में, हर मुकाबले में सटीकता और संयम की आवश्यकता थी, और भारतीयों ने पूरी क्षमता से इस अवसर का लाभ उठाया। विश्व चैंपियनशिप लिवरपूल 2025 की स्वर्ण पदक विजेता मीनाक्षी (48 किग्रा) ने शुरुआत में ही अपनी लय बना ली.

सवाल ▶ **मानसिक मजबूती और योजनाओं पर पूर्व क्रिकेटरों ने की टिप्पणी**

टीम इंडिया की हार पर उठे सवाल

नई दिल्ली 16 नवम्बर. पहले टेस्ट में 30 रनों की हार के बाद तीनों दिग्गजों ने भारतीय बल्लेबाज़ों की तकनीक, मानसिक मजबूती और योजनाओं पर गंभीर टिप्पणियाँ कीं।

ऐसी पिचों पर रन बनाना सीखें : पुजारा

चेतेश्वर पुजारा ने बल्लेबाज़ी की बुनियादी तकनीक और मानसिक तैयारी पर सवाल उठाते हुए कहा कि भारतीय बल्लेबाज़ों को ऐसी पिचों पर रन बनाने के तरीके ढूंढने होंगे। उनके अनुसार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सतह चाहे कैसी भी हो, बल्लेबाज़ को अपने पैरों का उपयोग, सकारात्मक रुख और गेंदबाज़ पर दबाव बनाने की कला आनी चाहिए। उन्होंने यह भी जोड़ा कि शुभमन गिल की चोट और दूसरी पारी में उनकी गैरहाज़िरी ने टीम को एक बड़ा झटका दिया। पुजारा का स्पष्ट मत था कि ह्य2द्दद्दश्च, फुटवर्क और आक्रामक लेकिन समझदारी भरी बल्लेबाज़ी से ही ऐसी परिस्थितियों से पार पाया जा सकता है, नहीं तो भारतीय टीम इसी तरह संघर्ष करती रहेगी।

बल्लेबाजों में धैर्य और अनुभव की कमी

मुख्य कोच गौतम गंभीर ने पिच को लेकर चल रही बहस को खारिज करते हुए कहा कि ईडन गार्डन्स की पिच खेलने योग्य थी। उनके अनुसार यहाँ समस्या सतह नहीं, बल्कि बल्लेबाज़ों का धैर्य और अनुभव की कमी थी। गंभीर ने कहा कि विकेट पर टर्न जरूर था, लेकिन अधिकतर विकेट तेज गेंदबाज़ों ने लिए, जिससे यह साफ होता है कि पिच असंभव नहीं थी—बल्कि बल्लेबाज़ की तकनीक और धैर्य की परीक्षा ले रही थी। उन्होंने भारतीय बल्लेबाज़ी इकाई को अनुभवहीन बताते हुए कहा कि टेस्ट क्रिकेट में शुरुआती 10-15 मिनट सबसे कठिन होते हैं, जिन्हें पार करने में भारतीय बल्लेबाज़ नाकाम रहे। गंभीर ने यह भी कहा कि टेस्ट हार सामूहिक होती है—न कोई अकेले जिताता है, न अकेले हाराता है—पूरे समूह को जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

टीम इंडिया घबरा गई

अनिल कुंबले ने दक्षिण अफ्रीका की रणनीति और अनुशासन की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय टीम हालात से ज़रूरत से अधिक घबरा गई। कुंबले ने माना कि 123 रनों का लक्ष्य भी भारतीय टीम की स्थिति को देखते हुए मुश्किल हो गया था, क्योंकि बल्लेबाज़ी क्रम पहले से ही एक खिलाड़ी कम था।